भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-16, अंक-12 वि.सं. 2077, युगाब्द 5122 फरवरी-2021 डिजिटल संस्करण

सदस्यता शुल्क :- संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबन्ध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी
  मो: 09451176775

सह सम्पादक :

- श्री राजेश
  मो: 09793120738

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- सीए. जितेन्द्र अग्रवाल

प्रबन्धक :

- श्री विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ, उ.प्र.-226020

दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406

मो: 09450020514

E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in

web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail : bdsnyas.dl@gmail.com

मो : 9811068375

आलोक:- प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

जन्म 23 जनवरी 1897

नेता जी सुभाष चंद्र बोस

जिसके रग-रग में भरा, आजादी का भाव।
ऐसे वीर सुभाष का, अनुपम निडर स्वभाव।।
प्रतिमा के जो थे धनी, जग में जिनका नाम।
ऐसे वीर सपूत को, बारम्बार प्रणाम।।

शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका **सेवा संवाद** अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है | आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी – bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्योंका व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित कार्पस फण्ड से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु **कार्पस फण्ड** भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारतहै।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000/- की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** -रु. 5000/- की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** -रु. 1,000/- से 6,000/- तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण,बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड(स्थायी निधि)**-रु. 10,000/- से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति**-न्यास द्वाराजरूरतमंदछात्रों कोवार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक(जू.हा.):रु 5,000, हाईस्कूल :रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु :रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल :रु 20,000
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) पत्रिका**-रु. 1,200/- की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)**-रू. 2,000/- की आजीवन एवं रु. 5,000/- की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. **माधव सेवा आश्रम** -रु. 5,00,000/- का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन -दिल्ली** -दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु0 21,000 कीकमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. **CSR फंड** -यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो**भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेज सकते हैं।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ-खाता सं. **6806100009948** (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, निराला नगर, लखनऊ-खाता सं. **30448433657** (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली-खाता सं.**605810110013350**(IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

कहते हैं सेवा एक धर्म है। भारत में प्रजा वत्सल राम, वीरबली हनुमान और लक्ष्मण जी का जीवन सेवा का आदर्श माना जाता है। राम की सेवा में कहीं चूक न हो जाये इसलिए लक्ष्मण तो बारह वर्ष तक सोये ही नहीं। राम के प्रति भरत की भक्ति एवं सेवा तो संसार के लिए एक उदाहरण है। सेवा के ऐसे अनुपम प्रसंगो का स्मरण करना, सेवा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों की बार-बार चर्चा तथा सेवा को जीवन मे उतारना सभी के लिए हितकर सिद्ध होगा।

सामान्यतः भूखे को अन्न, अशिक्षित को शिक्षा एवं रोगी को औषधि देने सम्बन्धी गतिविधियों को हम सेवा कहते हैं। जड़-चेतन, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, स्त्री-पुरुष, बाल-बृद्ध, देव-दानव आदि किसी के लिए भी निस्वार्थ भाव से किए गए ऐसे कार्य जिससे किसी को सुख मिले उसका नाम सेवा है। सेवा का जन्म जिस भाव से होता है उसे समर्पण कहते है। समर्पण के बिना सेवा का उदय होता ही नहीं। समर्पण कारण है और सेवा उसका कार्य है। सेवा के दो रूप हैं - स्वयं सेवा तथा लोक सेवा, दोनों ही लोक और परलोक की दृष्टि से सदा सर्वदा कल्याण के हेतु है। सेवा से अंतःकरण और चित्त की शुद्धि होती है जिससे पापो का क्षय होता है और भगवान से निकटता बढ़ती है। इस तरह सेवा का क्षेत्र अति विशाल है। परन्तु यह सेवा का स्थूल एवं भौतिक स्वरूप हैं। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण एवं सूक्ष्म सेवा मनुष्य के अन्दर प्रसुप्त सेवा भाव को जाग्रत करना है।

प्रत्येक मनुष्य में देवत्व का भाव निहित है। मनुष्य में प्रसुप्त देवत्व के साथ ही सेवा भाव संलग्न रहता है और उस प्रसुप्त देवत्व के जाग्रत होते ही सेवाभाव भी स्वतः ही जाग्रत हो जाता है। आवश्यकता है तो केवल इस देवत्व को जागृत करने की। इस देवत्व के जागरण के प्रति प्रेरित होने के लिए सद्ग्रन्थों का अध्ययन, स्वाध्याय, सत्संग, कर्मयोग, मन पर नियंत्रण, साधना आदि सहायक सिद्ध होते हैं। यद्यपि सभी यह जानते हैं कि जिसकी सेवा की जाती है तथा जो सेवा करता है दोनों में एक ही ईश्वर का वास है परंतु यदि सेवा करने वाले के मन में स्वार्थ, अहंकार आदि अपवित्र भाव आजाय तो फिर उसके द्वारा किया गया कार्य सेवा नहीं होती।

सेवा से जीवन है, व्यक्ति का, कुटुम्ब का, समाज और मानव के साथ प्राणी मात्र का। सेवा ही सन्देश है, सेवा की प्ररेणा ही देन है- जड़-चेतन, सम्पूर्ण-प्रकृति की यही उसकी कभी न पूरी होने वाली भूख है जिसकी पूर्ति में मानवमात्र का कल्याण है। इस ओर दुर्लक्ष्य का ही परिणाम है, भयावह शून्य के निर्माण होने की जिसकी उपज नई पीढ़ी में अनेक प्रकार के दुर्व्यसनों में है प्रत्येक व्यक्ति में देवत्व है इसलिए देव को हमसे दया की अपेक्षा नहीं है। अपने भविष्य एवं जीवन को सफल बनाने हेतु हमारे समक्ष केवल एक ही विकल्प है कि देवरूप में अपने चारों ओर विद्यमान सभी भाई-बहिनों की सेवा करें। दयाभाव से विमुख हो सेवोन्मुख बनें। सेवा-भाव में अपना हित भी छिपा है। पीड़ा से कराह रहे किसी भाई को यदि हम सहारा देकर ऊपर उठाते हैं तो उसके उठने की क्रिया में स्वयं का सीधा हो जाना भी निहित है। किसी का यह सुभाषित **"सेवा एवं साधना चाहे जिस रीति से किया जाय उससे कल्याण ही होगाा। मीठी रोटी चाहे सीधी करके खाई जाए अथवा टेढ़ी करके वह मीठी ही लगेगी।"** हमारे लिए स्मरणीय है।

सेवा भाव से किए गए न्यास की अनेकानेक गतिविधियों एवं भावी योजनाओं में आपके सानिध्यपूर्ण सहयोग एवं सहकार के सम्बन्ध में एक संवाद स्थापित हो यही हमारा ध्येय है। वसंत जहां एक ओर सृष्टि में, प्रकृति के बीच नव जीवन-आनन्द और उल्लास का सृजन कर रहा है वहीं यह हम सभी के जीवन को आनन्द से भरपूर करे तथा महाकवि निराला, राष्ट्रभक्त क्रान्तिवीर सुभाषचन्द्र बोस आदि महापुरुषों का स्मरण कल्याणकारी सिध्द हो, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

■ शिव

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प
भाऊराव देवरस सेवा न्यास

आर्थिक दृष्टि से अक्षम मेधावी छात्राओं के लिए निःशुल्क पूर्ण आवासीय प्रकल्प

परिचय : महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, पंडित मदन मोहन मालवीय जी के मूल्यों से प्रेरित, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में स्थित एक समाजसेवी प्रकल्प है। यह प्रकल्प भाऊराव देवरस सेवा न्यास के अंतर्गत संचालित विविध सेवा प्रकल्पों में से एक है।

लक्ष्यः इसका लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जो भारत की महानतम सांस्कृतिक धरोहर को साथ लेकर राष्ट्र के उज्ज्वलतम भविष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हो। भारत की प्रत्येक मेधावी बालिका को अपने पूर्ण चारित्रिक, शैक्षणिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास को प्राप्त करने का एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को सफल बनाने का सामर्थ्य तथा अवसर प्राप्त हो।
बालिका प्रकल्प समाज की प्रखर परंतु आर्थिक रूप से वंचित बालिकाओं को उनकी प्रतिभानुसार बौद्धिक एवं शैक्षणिक विकास हेतु अनुकूल संसाधन व वातावरण उपलब्ध कराने की ओर संकल्पित है जिससे वे सफलता के शिखर को प्राप्त कर सकें।

योजना : आर्थिक स्थिति अच्छी न होने पर तथा हाईस्कूल के परीक्षा परिणामों (80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्ति) के आधार पर छात्राओं का चयन किया जायेगा। एक बार चयन हो जाने पर छात्रा का दो वर्ष का शिक्षा से सम्बंधित सम्पूर्ण दायित्व प्रकल्प वहन करेगा।

छात्रा चयन प्रक्रिया

(विज्ञान, वाणिज्य एवं कला के लिए अलग-अलग)

1. प्रारम्भिक लिखित परीक्षा
2. मुख्य लिखित परीक्षा
3. साक्षात्कार
4. पारिवारिक पृष्ठभूमि की जाँच/ भौतिक सत्यापन

(कला की छात्राओं के लिए भाषण और वादविवाद प्रतियोगिता भी चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अंग है)

बालिकाओं को दी जाने वाली निःशुल्क सुविधाएँ :

1.कक्षा 11 और 12 की विद्यालय शिक्षा
2.चयनित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी
3.छात्रावास सुविधा
4.भोजन सम्बंधित समुचित व्यवस्था
5.शिक्षा सम्बंधित सभी पुस्तकें व अन्य सामग्री

प्रकल्प का वर्तमान कार्य एवं गतिविधियाँ :

प्रकल्प वर्ष 2020, जुलाई से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की 15 छात्राओं को लेकर अपनी सेवाएँ प्रारम्भ कर चुका है। ये सारी छात्राएँ सुनियोजित प्रक्रिया के द्वारा चयनित की गई हैं। वर्तमान में कोरोना से उत्पन्न परिस्थितिओं के कारण सभी छात्राओं को ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध करवायी जा रही हैं जिसके लिए बालिकाओं को स्मार्ट फोन भी वितरित किए गए हैं। साथ ही चयनित प्रतियोगी परीक्षा से सम्बंधित सारी पुस्तकें भी इनको दी जा चुकी हैं। इस से अलग प्रत्येक छात्रा को 2000 की मासिक छात्रवृत्ति भी दी जा रही है।

सभी छात्राओं को प्रकल्प की महिला समिति में से एक एक प्रतिपालिका निर्धारित की गई हैं जो उक्त छात्रा के सम्पर्क में रहती हैं और निरंतर उसका उत्साहवर्धन करती हैं। इसी के साथ वे छात्रा की प्रगति का समय समय पर अवलोकन भी करती हैं। दूसरी ओर प्रकल्प की शैक्षिक समिति की सदस्याएँ बालिकाओं को कोचिंग प्रदान कर रहे संस्थान के सम्पर्क में रहकर छात्राओं की प्रगति का आंकलन भी करती रहती है।

प्रस्तावित भवन विवरण :

भवन निर्माण के लिए न्यास के द्वारा प्रकल्प को करीब 3.46 एकड़ का भूखंड निर्धारित किया जा चुका है जो कि लखनऊ के अर्जुनगंज में सुल्तानपुर रोड के निकट स्थित है। छात्रावास भवन एक G-1+3 भवन होगा व जिसकी निम्नलिखित रूपरेखा तय की गई है।

लगभग 40 आवासीय कक्ष

स्वागत कक्ष	4 अध्यन कक्ष
1 भोजनालय	रसोई एवं भण्डारकक्ष
1 पुस्तकालय	1 योग एवं मेडिटेशन हाल
4 अतिथिकक्ष	1 सभागार
1 यज्ञशाला	1 मंदिर
1 बैठक कक्ष	1 प्रशासनिक कक्ष
लॉनड्री	कर्मचारी आवास
2 वार्डनआवास	1 डिस्पेन्सरी
1 शूटिंग रेंज	टेनिस कोर्ट

बैटमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट
कुल क्षेत्रफल लगभग 1357 वर्ग मीटर

संचालन समिति :

डा० श्रीमती नीलिमा- संरक्षिका
श्रीमती अर्चना दीक्षित- संयोजिका
श्रीमती प्रीति- सहसंयोजिका
श्रीमती रश्मि जैन- कोषाध्यक्षा

सदस्या- श्रीमती सिक्ता तिवारी, श्रीमती सीमा नरेंद्र अग्रवाल, डा० श्रीमती सुहानी- सदस्या डा० श्रीमती अणिमा जामवाल, श्रीमती श्रद्धा पाण्डे, श्रीमती फाल्गुनी तिवारी, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, डा० श्रीमती मृदु सिंह, एडवोकेट श्रीमती मोनिका शुक्ला, डा० श्रीमती दीप्ति मिश्रा, श्रीमती सीमा राजेश अग्रवाल, श्रीमती पल्लवी, डा० श्रीमती सीमा गुप्ता, श्रीमती विजयलक्ष्मी शुक्ला, एडवोकेट श्रीमती जयश्री सिंह, प्रोफ श्रीमती शीला मिश्रा, प्रोफ श्रीमती सुषमा मिश्रा.

प्रकल्प पता
महामना शिक्षण संस्थान-962, सरसवां, अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड लखनऊ, उ0प्र0-226020
सम्पर्क सूत्रः 9821483861

E-mail : mahamanabalikaprakalp@gmail.com
Website: www.mahamanabalikashikshansansthan.org
Facebook : MahamanaBalikaprakalp

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

(अ) सुदूर ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र की 6 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन

माह जनवरी 2021 में कुल लाभान्वित रोगी विवरण-

क्र.	सेवा केन्द्र	कुल लाभान्वित रोगी
1.	वेदान्त आश्रम, पपनामऊ	--
2.	सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	148
3.	अम्बेदकरनगर	--
4.	51 शक्तिपीठ (बीकेटी)	--
5.	अर्जुनपुर (बीकेटी)	--
6.	माधव सेवा आश्रम	--
	कुल लाभान्वित रोगी	**148**

(ब)माधवराव देवड़े स्मृति रुग्ण सेवा केन्द्र, सी-91, निराला नगर, लखनऊ

1.	एलोपैथिक	--
2.	होम्योपैथिक	365
कुल लाभान्वित रोगी सं0		**365**

(स)रुग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम, लखनऊ

1.	होम्योपैथिक	260

इस प्रकार तीनों केन्द्रों पर माह जनवरी 2021 में कुल लाभान्वित रोगी संख्या 773 रही।

*** कई सेवाएँ लॉकडाउन के कारण प्रभावित रहीं।**

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं अन्त्योदय हेल्थ मिशन द्वार माह जनवरी 2021 में लाभान्वित रोगी विवरण

नेत्र परीक्षण	--
चश्मा वितरण	--
मोतियाबिन्द ऑपरेशन	--
पैथालॉजी	--

आलोक : नेत्र एवं पैथालॉजिकल जाँच केवल 20/- के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

पावर ग्रिड विश्राम सदन, KGMU

के.जी.एम.यू. लखनऊ

फरवरी 2021 में ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

राज्य	माह फरवरी 2021 में ठहरने वालों की संख्या
उत्तर प्रदेश	491
दिल्ली	02
बिहार	13
महाराष्ट्र	01
कुल	**507**

माधव सेवा आश्रम

माधव सेवा आश्रम रायबरेली रोड, लखनऊ में प्रान्तशः ठहरनेवाले लाभान्वित बन्धुओं की संख्या

क्र.	राज्य	माह **जनवरी** 2021 में
1.	उत्तर प्रदेश	6979
2.	उत्तराखण्ड	36
3.	बिहार	2791
4.	झारखण्ड	212
5.	उड़ीसा	21
6.	मध्य प्रदेश	359
7.	छत्तीसगढ़	20
8.	राजस्थान/गुजरात	--
9.	महाराष्ट्र	07
10.	नेपाल	34
11.	दिल्ली/पंजाब/हरियाणा	00
12.	पश्चिम बंगाल	30
13.	अन्य प्रान्त	65
	योग	**10554**

विश्राम सदन, दिल्ली

सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली

प्रान्तशः ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

गत सत्र 2019-20 का विवरण

भारतीय राज्य/देश	कुल योग
बिहार	
उत्तर प्रदेश	
मध्य प्रदेश	
झारखण्ड	
राजस्थान	
पश्चिम बंगाल	
उत्तराखण्ड	
हरियाणा	
नेपाल	
उड़ीसा	
जम्मू और कश्मीर	
छत्तीसगढ़	
असम	
गुजरात	
हिमाचल प्रदेश	
महाराष्ट्र	
दिल्ली	
त्रिपुरा	
पंजाब	
मणिपुर/ मिजोरम	
अरूणाचल प्रदेश	
केरल	
सिक्किम	
बांग्लादेश	
तमिलनाडु	
कुल	

नोटः मार्च 2020 के बाद से पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली कोरोना महामारी के कारण एम्स दिल्ली में कोरोना के मरीजों के उपचार में लगे लगभग 200 की संख्या में चिकित्सक व उनके सहयोगी कार्यकर्ता इस सदन में रह रहे हैं और न्यास उनकी सेवा में कार्यरत है।

पावर ग्रिड विश्राम सदन, पटना

आई.जी.आई.एम.एस. पटना

वर्ष 2019 के नवम्बर मास में पटना के आई.जी.आई.एम.एस. के निकट पॉवर ग्रिड द्वारा बनाए गए विश्राम सदन को चलाने का कार्य न्यास को मिला | 16 नवम्बर को इसका उदघाटन हुआ | 264 बेड की सुविधा से युक्त इस विश्राम सदन में आने वालों की संख्या 1224 रही और लगभग सभी बेड भरे रहने की स्थिति आने लगी | मार्च 2020 में लॉक डाउन के कारण इसे लगभग 2 महीने के लिए बंद करना पड़ा | जून और जुलाई में कुछ दिनों के लिए दोबारा खुलने के बाद जुलाई में पुनः सेवाएँ बंद करनी पड़ीं | सितम्बर मास से सेवाएं पुनः प्रारम्भ हुईं और तब से अनवरत जारी हैं और सदन अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है |

वर्ष 2020 में पटना विश्राम सदन में**ठहरने वाले व्यक्तियों का मासिक विवरण**

माह	ठहरने वाले व्यक्तियों की सं0
जनवरी-2020	
फरवरी	
मार्च	
अप्रैल	
मई	
जून	
जुलाई	
अगस्त	
सितम्बर	
अक्टूबर	
नवम्बर	
कुल	

कोरोना संक्रमण के कारण न्यास द्वारा संचालित अनेक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं | उस कालखंड में बेसहारा लोगों को राशन आदि बांटने का काम विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से किया गया |

समर्थ भारत रोजगार शिविर का आयोजन

स्थान - भारतीयम स्कूल, ग्रेटर नोएडा

दिनांक - 9 जनवरी 2021, दिन - शनिवार

समय - प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के अन्तर्गत चलने वाले प्रकल्प समर्थ भारत तथा सेवा भारती द्वारा एक रोजगार शिविर का आयोजन आज दिनाँक 9 जनवरी 2021 को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक भारतीयम स्कूल, ग्रेटर नोएडा में किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अमन प्रीत जी, आईआरएस, जॉइंट कमिश्नर, इनकम टैक्स दिल्ली द्वारा भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

<u>छाया चित्र</u>

इस शिविर में कुल 953 पंजीकरण हुए जिसमे 701 पंजीकरण ऑनलाइन तथा252 पंजीकरण शिविर में हुए। पंजीकृत अभ्यर्थियों में से कुल 526 अभ्यर्थी शिविर में आए कुल आये अभ्यर्थियों में से 126 अभ्यर्थियों का साक्षत्कार के माध्यम से 18 कंपनियों में चयन हुआ। चयन करने वाली कंपनियों में विजिटल इंडिया, अनमोल बिस्कुट, रिवर इंजीनियरिंग, क्रेस्ट मैनपावर, DS ग्रुप, लाइव टेक सर्विसेज, विविध पैकेजिंग, रेडिएंस इंजीनियरिंग, टाटा ऐ आई जी, मैक्स लाइफ आदि प्रमुख रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री राहुल सिंह जी, सचिव भाऊराव देवरस सेवा न्यास ने कहा की कोरोना काल में बहुत सारे लोग बेरोजगार हो गए ऐसे लोगों के लिए समर्थ भारत प्रकल्प का शुभारंभ किया गया है। समर्थ भारत स्वरोजगार, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वावलंबन पर प्रमुख रूप से कार्य कर रही है।

समर्थ भारत के प्रमुख श्री शोनाल जी ने बताया की शीघ्र ही एक रोजगार शिविर का आयोजन नॉएडा में किया जायेगा जिससे अधिक से अधिक लोगो को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

इस शिविर में भाऊराव देवरस सेवा न्यास, समर्थ भारत सेवा प्रकल्प, सेवा भारती, लघु उद्योग भारती सहित नगर के अन्य सेवा संगठन का सहयोग रहा।

शिविर में इस आयोजन के समन्यवक प्रोफ. विवेक कुमार, लाइव टेक सर्विसेज के डायरेक्टर विनीत पाण्डेय, सेवा भारती के जिला मंत्री मयंक पाण्डेय, विजिटल इंडिया के डायरेक्टर विवेक अरोरा, विविध पैकेजिंग के श्री के पी सिंह, भारतीयम स्कूल के चेयरमैन श्री उमेश बंसल, रविन्द्र पल सिंह, अभय जी, सुमित गुप्ता, अक्षय, अनंतदीप सहित अन्य गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रकल्प का नाम	प्रकल्प प्रमुख	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धमासिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
विश्राम सदन, IGIMS पटना (बिहार)	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457

माधव सेवा आश्रम

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित
संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के सामने, रायबरेली रोड, लखनऊ
मो0-9936580182 ई-मेलः madhavsevaashram@gmail.com

मकर संक्रान्ति पर खिचड़ी भोज का आयोजन

विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर, दिनांक 17 जनवरी 2021, रविवार को मध्याह्न 1:30 बजे से माधव सेवा आश्रम परिसर में (एस.जी.पी.जी.आई. के सामने) खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, लगभग 900 लोगों की उपस्थिति रही।

PHOTO

"उन्नति सहयोग में आनंद सहभोज में"

कार्यक्रम सूचना

महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ

हर्ष की बात है कि 27 फरवरी 2021 को शिक्षण संस्थान के अध्ययनरत छात्रों की दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 आनन्दी वेन पटेल के उपस्थिति की स्वीकृति प्राप्त हो गई है

कार्यक्रम मुख्य वक्ता के रूप में मा0 दत्तात्रेय होसबले सह सराकार्यवाह जी होंगे।